



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 312]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 2, 1995/ज्येष्ठ 12, 1917

No. 312]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 2, 1995/JYAISTHA 12, 1917

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन एवं डेयरी विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 जून, 1995

का.आ. 496(अ).—दुग्ध तथा दुग्ध उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप-पैरा (2) में विनिर्दिष्ट बातों को ध्यान में रखते हुए मेरा यह समाधान हो गया है कि हरियाणा राज्य में तरल दुग्ध की आपूर्ति को बनाये रखने तथा उसमें अभिवृद्धि के लिये ऐसा करना आवश्यक है।

अतः अब, मैं, दुग्ध तथा दुग्ध उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उप-पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करता हूँ अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा आरम्भ:—(1) यह आदेश हरियाणा (दुग्ध तथा दुग्ध उत्पाद) निर्वहन आदेश, 1995 कहलायेगा।

(2) यह हरियाणा के पूरे क्षेत्र पर लागू होगा।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा और जुलाई, 1995 के 31वें दिन के समाप्त होने पर प्रभावहीन हो जायेगा।

परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रवर्तन की ऐसी समाप्ति से पहले की गई या करने से जोप की गई किसी बात के बावजूद उसकी प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिभाषा:—इस आदेश में, जब तक संदर्भ से प्रत्यक्ष अर्थित न हो,—

(क) “नियंत्रण अधिकारी” का अभिप्राय दुग्ध तथा दुग्ध उत्पाद आदेश 1992 के पैरा 13 के अन्तर्गत नियुक्त पंजीकृत प्राधिकारों से है।

(ख) “दुग्ध” से गाय, भैंस भेड़, बकरा का दूध या उसका कोई सम्मिश्रण अभिप्रेत है चाहे अरिष्कृत रूप में हो या किसी भी राति से प्रसंस्कृत हो तथा इसमें पास्चुरीकृत, रोगानुनाशित, पुनः संयोजित, सुकृषिकारित, अस्वीकृत, मरबनिया, टोंड, डबल टोंड, मानकीकृत या सम्पूर्ण मलाईयुत दूध शामिल है।

(ग) “दुग्ध उत्पाद” से निम्नलिखित अभिप्रेत:—

(1) सम्पूर्ण दुग्ध चूर्ण

(2) मखनिया दुग्ध चूर्ण

(3) निशु दुग्ध आहार

(4) संयमित दुग्ध (मद्युरित तथा प्रमद्युरित)

(5) कौटोज छैना (पनीर)

(6) देशी घी, बटर, बटर आयन (किसी भी नाम से जाना जाता हो)

(7) खोया तथा रखड़ी

(8) दुग्ध तथा दूध व्युत्पन्न के प्रयोग से बने मिठाईयां

3. दूध का दुग्ध उत्पाद में परिवर्तित करने तथा दुग्ध उत्पादों की बिक्री, व्यवसाय, तथा आपूर्ति पर रोक और दूध के निर्यात पर प्रतिबंध:—

(क) कोई भी व्यक्ति किसी दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण के लिए दूध का उपयोग नहीं करेगा।

(ख) कोई भी व्यक्ति दूध अथवा दूध के व्युत्पन्न से बने खोया, पनीर और/अथवा मिठाईयों की बिक्री नहीं करेगा या खिलाने अथवा विक्रय व्यवसाय या आपूर्ति के प्रयोजन के लिये, आपूर्ति नहीं करेगा या बिक्री नहीं करेगा या प्रदाय नहीं करेगा।

परन्तु इस खंड की कोई भी बात दूध के उपयोग पर लागू नहीं होगी :-

(1) आइसक्रीम, कुल्फो या कोई अन्य वस्तुओं के विनिर्माण, विक्रय आपूर्ति या प्रदाय के लिये जिसमें तैयार करने में खोया और अथवा रखड़ी का उपयोग नहीं होता,

(2) रक्षा बलों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के दुग्ध उत्पादों के विनिर्माण, बिक्री, सेवा अथवा आपूर्ति के लिये,

(3) ऐसे अवसरों पर तथा इस प्रकार के शर्तों के अधीन रहते हुए खोया और/या रखड़ी या कोई अन्य दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ति या निर्यात के लिये जैसा कि नियंत्रण अधिकारी, द्वारा आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया हो,

(4) 1-31 मई, 1995 की अवधि के दौरान स्क्रिम्ड दुग्ध चूर्ण संपूर्ण दुग्ध चूर्ण तथा दैनिक उत्पादन के वास्तविक औसत के 50 प्रतिशत के स्तर तक शिशु दुग्ध आहार के उत्पादन के लिये तथा इन दुग्ध उत्पादों के विनिर्माण की प्रक्रिया में एक उपोत्पाद के रूप में सफेद मक्खन को तरल दुग्ध में फिर से परिवर्तित करने के लिये।

4. प्रवेश की अनुमति, तलाशी, अभिग्रहण आदि का अधिकार:—

(1) इस आदेश का अनुपालन करने के उद्देश्य से अथवा अपने आपकी संपुष्ट करने के लिये कि इस आदेश का अनुपालन किया जा रहा है अथवा नहीं, नियंत्रण अधिकारी अथवा कोई भी मजिस्ट्रेट अथवा कोई भी पुलिस अधिकारी जिसका दर्जा सहायक उप-निरीक्षक से कम न हो अथवा खास एवं पुंति विभाग का कोई भी अधिकारी जिसका दर्जा उप-निरीक्षक से कम न हो अथवा हरियाणा, सरकार का कोई भी राजस्व अधिकारी जिसका दर्जा नायब महसुसदार से कम न हो अथवा जिसे हरियाणा, सरकार के खास पुंति तथा उपभोग साधनों के आयुक्त द्वारा विशेष रूप से प्राधिकृत किया गया हो अथवा नियंत्रण अधिकारी की ओर से प्राधिकृत कोई भी अन्य अधिकारी।

(क) दूध के निर्यात या किसी दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण के लिये प्रयुक्त या उपयोग के लिये आवृत्त किया गया नीला, मॉटर या अन्य यान का निर्यात पात्र या मशीनरी या किसी व्यक्ति को रोक सकेगा तथा तलाशी ले सकेगा।

(ख) किसी भी व्यक्ति से कोई जानकारी देने तथा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद से संबंधित गंजवहारां को दर्शाते खाली लेखाबहियों या अन्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का आदेश कर सकेगा तथा ऐसा लेखाबहियों या दस्तावेजों को जो उसको राय में इस आदेश के अधीन किसी कार्यवाही में सुसंगत होगी, अभिग्रहण कर सकेगा,

(ग) किसी स्थान पर या परिसर में किसी दुग्ध या दुग्ध उत्पाद के साथ-साथ उन पैकेजों, अविच्छेद्यों, पात्रों या मशीनरी जिसमें दुग्ध या दुग्ध उत्पाद पाये गये हैं या उसके साथ साथ बिना उन दुग्ध उत्पाद का विनिर्माण किया गया है या उन पशुओं, यानों, जलयानों, नौकाओं या अन्य प्रवहनों को जो दुग्ध या दुग्ध उत्पाद ले जाने के लिये प्रयुक्त हुए हैं का अभिग्रहण कर सकेगा। और उसके पश्चात्, उक्त, अभिग्रहण किये गये पैकेजों, अविच्छेद्यों, पात्रों या मशीनरी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के दौरान उनकी सुरक्षा और/या सुनिश्चित करने के लिये "गुारडर" के माध्यम से या अन्यथा आवश्यक सभी उपाय करेगा।

(2) तलाशी तथा अभिग्रहण से संबंधित वंड प्रकाश सदिता, 1973 (1974 का 2) को धारा 100 के उपबंध, जहां तक हो सके, इस खंड के अधीन तलाशी तथा अभिग्रहण पर लागू होंगे।

5 नियंत्रण अधिकारी के अधिकार :- नियंत्रण अधिकारी ऐसा अंतरिम आदेश दे सकेगा जो वह हरियाणा राज्य में दूध की आपूर्ति बनाये रखने के लिये, अभिग्रहण किये दुग्ध या दुग्ध उत्पाद के उपयोग के संबंध में आवश्यक समझे।

[फा सं. 9-3/95-डी पी.]

बाबू जैकब, निदेशक

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

ORDER

New Delhi, the 2nd June 1995

S.O. 496(E).—Whereas having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk Product Order 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Haryana it is necessary to do so.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following Order, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(i) This Order may be called the Haryana (Milk and Milk Product) Control Order, 1995.

(ii) It extends to the whole of the State of Haryana.

(iii) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate at the end of 31st day of July, 1995.

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cessation of operation.

2. Definition.—In this order unless the context otherwise requires,—

- (a) "Controlling Officer" means the Registering Authority appointed under para 13 of the Milk and Milk Product Order 1992.
- (b) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilised, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk;
- (c) "Milk Product" means:—
 - (i) Whole Milk Powder;
 - (ii) Skimmed Milk Powder;
 - (iii) Infant Milk Food;
 - (iv) Condensed Milk (Sweetened and Unsweetened);
 - (v) Cottage Cheese (Paneer);
 - (vi) Desi Ghce, butter, oil, (by whatever name called);
 - (vii) Khoya and Rubree;
 - (viii) Sweets made by use of milk or derivatives of milk.

3. Prohibition on conversion of milk into milk product and sale, service or supply of milk products and ban on the export of milk.

- (a) No person shall use milk for the manufacture of any milk product.
- (b) No person shall sell, serve or supply or cause to be sold, served or supplied or propose for sale, service or supply khoya, paneer and/or sweets made by the use of milk or derivatives of milk.

Provided that nothing in this clause shall apply to the use of milk,—

- (i) for the manufacture, sale, service or supply of ice-cream, kulfi or any other article, in the preparation of which no khoya and/or rubree is used;
- (ii) for the manufacture, sale, service or supply of such milk product having regard to the needs of the Defence Forces.
- (iii) for the manufacture, sale, service, or supply of khoya and/or rubree or any other milk product on such occasions and subject to such terms and conditions as the Controlling Officer may by order, specify;
- (iv) for production of Skimmed Milk Powder, Whole Milk Powder, and Infant Milk Food to the level of 50 per cent actual average of daily production during the period 1st—31st May, 1995 and White Butter as a by-product in the process of manufacture of these milk products, for recombination into liquid milk.

4. Power of entry, search, seizure etc.—(i) The Controlling Officer or any Magistrate or any Police Officer not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any Officer of the Food and Supplies Department not below the rank of Sub-Inspector or any Revenue Officer not below the rank of a Naib Tehsildar of the Government of Haryana specially authorised by the Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs of the Government of Haryana or any other Officer authorised in this behalf by the Controlling Officer may, with a view to securing compliance with this order or to be satisfy himself that this order is being complied with,—

- (a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for manufacture of any milk product;
- (b) require any person to give any information and to produce books or account or other documents showing transaction relating to milk or milk product and seize any such books or account or documents which in his opinion would be relevant to any proceedings under this order;

(c) seize any milk or milk product in any place or premises together with packages, coverings, receptacles or machinery in which milk or milk product is found or with such milk product is manufactured, or the animals vehicles, vessels, boats or other conveyances used in carrying milk or milk product and thereafter take all measures necessary through a 'super-dar' or otherwise for securing the production of the packages, coverings, receptacle or machinery so seized in court and for their safe custody pending such production.

(ii) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure, as far as may be apply to search and seizure under this clause.

5. Power of Controlling Officer.—The Controlling Officer may pass such interim order as he considers necessary regarding utilization of milk or milk product seized to maintain the supply of milk in the State of Haryana.

[F. No. 9-3/95 DO]
BABU JACOB, Controller